7 जनवरी, 2010 को मलावी के राष्ट्रपति डॉ. बिन्गू वा मुथारिका द्वारा दिए गए राजकीय रात्रि-भोज में भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री मो. हामिद अंसारी का अभिभाषण

मैं और मेरी पत्नी तथा वास्तव में मेरा सम्पूर्ण शिष्टमंडल मलावी की यात्रा करना अपना सौभाग्य समझता है और इस प्रकार हमारे ऐतिहासिक रूप से मैत्रीपूर्ण और घनिष्ठ संबंधों को पुन: नवीनता प्रदान करता है। मेरे और मेरे देश के प्रति व्यक्त की गई सद्‌भावनाओं ने भी मेरे ह्रदय को छू लिया है। महामहिम, आपके सुंदर देश में जब से हम आए हैं, जिस गर्मजोशी से हमारा आदर-सत्कार किया गया है, उसके लिए मैं आप सबका धन्यवाद करना चाहता हूं।

भारत और मलावी के बीच मित्रता और सहयोग के संबंध साझे मूल्यों और परंपराओं पर बने हुए हैं। हम लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था, विधि का शासन, मानवाधिकारों का सम्मान और सर्वसमावेशी विकास के प्रति एकसमान रूप से प्रतिबद्ध हैं। कृषि, व्यापार, निवेश, लघु और मध्यम आकार के उद्योगों, संस्कृति और शिक्षा में हमारे द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने और सहयोग के नए क्षेत्रों को ढूंढने की आवश्यकता है।

महामहिम, हम आपके देश की जनता की आर्थिक स्थिति को सुधारने और आपके देश का समग्र रूप से विकास करने के, आपके प्रयासों में सभी संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लगातार आए कई भूकंपों के कारण मलावी में हुई जान-माल की हानि के बाद पुनर्वास के लिए आपातकाल राहत के रूप में भारत सरकार ने आज 1 मिलियन अमरीकी डॉलर के अनुदान की घोषणा की है। इसके अतिरिक्त, हमने कृषि,

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में मलावी के विकास में मदद करने के लिए अनुदान के रूप में 4 मिलियन अमरीकी डॉलर देने की भी घोषणा की है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि मलावी ने 30 मिलियन अमरीकी डॉलर के भारतीय ऋण का उपयोग कर लिया है, जो इसे सिंचाई, अन्न-भंडारण और तम्बाकू कुटाई परियोजनाओं के लिए 2008 में प्रदान किया गया था। हम विश्वास करते हैं कि मलावी की अपनी क्षमताओं, अवसंरचना और खाद्य सुरक्षा के निर्माण में हमारा योगदान हमारी भागीदारी का एक महत्वपूर्ण घटक है। भारत-अफ्रीका मंच के शिखर-सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के एक अंश के रूप में हम मलावी के विकास के लक्ष्यों की मदद हेतु 50 मिलियन अमरीकी डॉलर का ऋण भी प्रदान करना चाहेंगे।

हम सहयोग की अंत:क्षमताओं को साकार करने के लिए भागीदारियों का निर्माण करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए दोनों देशों के निजी क्षेत्रों को प्रोत्साहित करते हैं। बढ़ते हुए भारतीय बाजार में मलावी उत्पादों की पहुंच को बढ़ाने के लिए एकपक्षीय टैरिफ रियायतों के अधीन भारतीय बाजार को उपलब्ध कराए गए अवसरों का उपयोग किया जाना चाहिए।

मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के अधीन मलावी के साथ हमारा सहयोग काफी संतोषजनक है। भारत इस कार्यक्रम के अधीन मलावियों को प्रशिक्षण प्रदान करता रहा है और साल दर साल इसमें काफी वृद्धि होती रही है।

मलावी में 7000 व्यक्तियों के सशक्त एवं सक्रिय भारतीय समुदाय की उपस्थिति एक महत्वपूर्ण संपर्क-सूत्र के रूप में कार्य करता है जिसने दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण

संबंधों को मजबूत बनाया है। हम आशा करते है कि हमारे संबंधों को आगे और मजबूत बनाने में प्रवासी भारतीय समुदाय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत और मलावी पारस्परिक हितों के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र संबंधी सुधारों, चल रहे बहुपक्षीय व्यापार समझौतों, आतंकवाद के विरूद्ध संघर्ष और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर आपके महान देश के साथ मिलकर काम करने के लिए कृतसंकल्प हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे कि विकासशील देशों के महत्वपूर्ण हित सुरक्षित रहें और ऐसे कोई अवरोध खड़े नहीं किए जाएं जो उनकी विकास की आकांक्षाओं को रोकें।

महामहिम,

यह अत्यन्त उत्साहजनक बात है कि आपके कार्यकाल के दौरान मलावी अर्थव्यवस्था में गत पांच वर्षों में 7 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर से सराहनीय प्रगति हुई है। यह आपके सुशासन का एक जीता-जागता प्रमाण है। हम जिम्मेदार और जवाबदेह आर्थिक शासन को न सिर्फ अपनी राष्ट्रीय सीमाओं के अंदर, बल्कि वैश्विक संदर्भ में भी एक आवश्यकता के रूप में देखते हैं। विश्व के अन्य भागों में वित्तीय अपव्यय का हमारी विकास योजनाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ता है और हमें यह याद दिलाता है कि जहां वैश्वीकरण एक अवसर है, वहां दूसरी ओर इसकी एक आवश्यकता यह भी है कि सभी साझेदार जिम्मेदारी वाला आर्थिक व्यवहार करें।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी होता है। भारत और मलावी दोनों ने मई, 2009 में सफलतापूर्वक आम चुनाव सम्पन्न कराए। इसका श्रेय लोकतांत्रिक संस्थाओं की शक्ति और हमारी जनता की परिपक्वता को जाता है। यह लोकतांत्रिक देशों की कार्यपद्धति तथा समान वैश्विक दृष्टिकोण रखने वाले देशों के

लिए आपस में अक्सर विचार-विमर्श करने के लिए आवश्यक है। आपके इस मैत्रीपूर्ण देश की मेरी इस यात्रा का मकसद इस प्रक्रिया को आरम्भ करना है। हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि ऐसे आदान-प्रदान और जल्दी-जल्दी हों। इस अवसर पर मैं महामहिम राष्ट्रपति बिन्गू वा मुथारिका को भारत आने का निमंत्रण देता हूं। हम वहां गर्मजोशी से आपका स्वागत करने के लिए प्रतीक्षारत हैं। आपके लिए यह देखने का एक अवसर होगा कि चार दशक पहले नई दिल्ली में आपके कॉलेज के दिनों के बाद से भारत में कितना परिवर्तन आ गया है।

महामहिम,

मलावी के साथ हमारी साझेदारी अफ्रीकी देशों के साथ हमारे निकट एवं बहु-आयामी संबंध के हमारे व्यापक दृष्टिकोण का एक अभिन्न घटक है। अप्रैल, 2008 में नई दिल्ली में हुए पहले भारत-अफ्रीकी मंच के शिखर-सम्मेलन में अफ्रीकी नेताओं और हमारे प्रधानमंत्री ने हमारे रिश्तों को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग हेतु एक संयुक्त योजना अपनायी थी।

हमें विश्वास है कि हम अपने अफ्रीकी साझेदारों के साथ मिलकर इस वर्ष महाद्वीपीय स्तर पर एक संयुक्त कार्य योजना तथा सहयोग की अपनी योजना को कार्यान्वित करने के लिए एक अनुवर्ती तंत्र बनाए जाने की घोषणा करेंगे। हम चाहते हैं कि भारत द्वारा सम्मेलन में घोषित नई पहलों, विशेषतया, क्षमता निर्माण अवसरों और रियायती शर्तों पर ऋण का मलावी लाभ उठाएं।

यह जानकर मुझे प्रसन्नता हो रही है कि भारत की पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना मलावी में भी शुरू कर दी गई है। भारत सरकार द्वारा पूर्णत: वित्त-पोषित इस परियोजना का लक्ष्य टेली-शिक्षा और टेली-चिकित्सा तथा अफ्रीका के सभी

राज्याध्यक्षों के बीच वीडियो-बातचीत के प्रयोजनार्थ 53 अफ्रीकी देशों को आपस में जोड़ने का है। इस दूरदर्शी परियोजना से सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर को पाटने का प्रयास किया जाएगा और इससे मलावी में तकनीकी, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों की क्षमताओं के निर्माण में सहायता मिलेगी। यह दक्षिण-दक्षिण सहयोग का एक बेहतरीन संकेत है।

महामहिम, देवियो और सज्जनो, मेरा आपसे अनुरोध है कि आइए हम सब मिलकर -

- महामहिम राष्ट्रपति बिन्गू वा मुथारिका के अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली;
- दोनों देशों की मित्रवत् जनता के सतत् कल्याण और समृद्धि; और
- दोनों देशों के बीच सतत् मित्रता, समृद्धि और सहयोग; की कामना करते हुए भोज में सम्मिलित हों।

धन्यवाद।